सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 143 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

इस बात को व्यक्त मत होने दीजिये कि आपने क्या करने के लिए सोचा है, बुद्धिमानी से इसे रहस्य बनाये रखिये और इस काम को करने के लिए दृढ रहिये।
-चाणक्य

अंग्रेजों को मात देकर भारत पहुंचा... 7 | इसबार नए-नए मुद्दों से घिरेगी... 3 | भाजपा शासन में कानून राज जैसा... 2

# यह है भाजपा सरकार के विकास का सच

# एयरपोर्ट की छत हो या एक्सप्रेस-वे सब टूट गया कुछ महीनों में ही

» विपक्ष के निशाने पर आई मोदी सरकार
» कांग्रेस ने कहा- मोदी सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खुलना शुरू
» बीजेपी ने की इसे प्राकृतिक आपदा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विकास का दम भरने वाली बीजेपी की मोदी सरकार की कलई पहली ही बारिश में खुल गई है। अयोध्या में राम मंदिर की छत पहली ही बरसात में टपकने की सुर्खियां खबरों से हटी भी नहीं की भारी बारिश से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-एक की छत गिरने की खबर पूरे देश में बहस का मुद्दा बन गई। जिसका उद्घाटन अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

सबसे दुखद यह रहा इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ये कोई पहली दुर्घटना नहीं है जिसमें नए निर्माण धराशाई हुए हैं। इससे पहले यूपी में बंदेलखंड एक्सप्रेस वे की सड़क धंस गई थी। कमोवेश भाजपा व एनडीए शासित राज्यों मध्यप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र व असम में भी पुल व इमारत गिरने की खबरें समय-समय पर आती रहती हैं। उधर इन सब दुर्घटनाओं के बाद मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस ने कहा है कि ये घटनाएं मोदी सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं। वहीं बीजेपी ने इसे प्राकृतिक आपदा में होने वाली घटना बता कर खारिज करने की कोशिश की।

## भ्रष्टाचार और आपराधिक लापरवाही के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बारिश के बाद दिल्ली एयरपोर्ट की छत गिरने के मामले में बीजेपी और नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नरेंद्र मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए एक पोस्ट किया। मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखा, भ्रष्टाचार और आपराधिक लापरवाही मोदी सरकार के पिछले 10 साल में घटिया इंफ्रास्ट्रक्चर के ताश के पत्तों की तरह ढहने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली एयरपोर्ट (टी-1) की छत ढहना, जबलपुर एयरपोर्ट की छत ढहना, अयोध्या की नई सड़कों की खस्ता हालत, राम मंदिर में पानी टपकना, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक रोड में दरारें, 2023 और 2024 में बिहार में 13 नए पुल गिरने वाले हैं, प्रगति मैदान टनल का बार-बार डूबना, गुजरात में मोरबी पुल ढहने की त्रासदी... ये कुछ कुछ ऐसे उदाहरण हैं जो मोदी जी और भाजपा की ओर से विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं।

## कांग्रेस ने झूठी वाहवाही के लिए सरकार को घेरा

मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा, 10 मार्च को जब मोदी जी ने दिल्ली एयरपोर्ट टी1 का उद्घाटन किया, तो उन्होंने खुद को दूसरी मिट्टी का इंसान कहा था। ये सारी झूठी वाहवाही और बयानबाजी सिर्फ चुनाव से पहले रिबन काटने की रस्मों को पूरा करने के लिए थीं। दिल्ली एयरपोर्ट त्रासदी के पीड़ितों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं, उन्होंने एक भ्रष्ट, अयोग्य और स्वार्थी सरकार का खामियाजा भुगता।

## ठेका जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड के पास था

सरकारी सूत्रों ने कहा कि प्रभावित छत के निर्माण का ठेका जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड ने निजी ठेकेदारों को दिया था। उधर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे देश में ऑडिट किया जाएगा।

## कई उड़ाने की गईं रद्द

राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनट-1 पर बारिश की वजह से छत गिरने से वहां मौजूद कई कारें दब गईं। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक शख्स की मौत हो गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाडियां पहुंची है। रेस्क्यू का काम शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 से सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और चेक-इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने कहा कि मलबा कई कारों और टैक्सियों के ऊपर गिरा। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि छत की शीट के अलावा, सपोर्ट बीम भी ढह गई, जिससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप क्षेत्र में खड़ी कारों को नुकसान पहुंचा। क्षतिग्रस्त वाहनों में कोई और न फंसा हो, ये सुनिश्चित करने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि छह में से एक को कार से बचाया गया, जिस पर लोहे की बीम गिरी थी। सुबह करीब साढ़े पांच बजे डीएफएस को घटना के बारे में कॉल मिलने के बाद तीन दमकल गाडियों को हवाईअड्डे पर भेजा गया।

## एनडीए सरकार ने जल्दबाजी में किया अधूरा उद्घाटन : जयराम

भारी बारिश के बीच दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 की छत का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसे लेकर विपक्ष के नेताओं ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया, 11 मार्च, 2024 को, उनके चुनाव अभियान के हिस्से के रूप में, अगर मुझे याद है तो उनके उद्घाटन के दौरान। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट के विस्तारित टर्मिनल 1 के उद्घाटन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह अधूरा है। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, इस साल की शुरुआत में आचार संहिता लागू होने से पहले उद्घाटन किया गया अधूरा टर्मिनल पूरा होने से पहले ही टूटने लगा, क्या आश्चर्य है!! तृणमूल कांग्रेस के नेता साकेत गोखले ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार के लिए विस्तारित टर्मिनल 1 का जल्दबाजी में उद्घाटन किया। उन्होंने ट्वीट किया, आज सुबह चौंकाने वाली और दुखद खबर आई।

## एक पुरानी इमारत गिरी है : राम मोहन नायडू

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर जो छत ढही, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए, उसका निर्माण 2008-09 में हुआ था। कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद नायडू की यह टिप्पणी आई है कि जो छत ढही है, वह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तारित टर्मिनल 1 का हिस्सा थी, जिसका उद्घाटन इस वर्ष मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। दिल्ली हवाई अड्डे पर स्थिति का जायजा लेने वाले नायडू ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई इमारत दूसरी तरफ है और यहां जो इमारत ढही है, वह एक पुरानी इमारत है और 2009 में इसका निर्माण हुआ था।

# भाजपा शासन में कानून राज जैसा कुछ भी नहीं : अखिलेश

» बोले- यूपी पुलिस का आधुनिकीकरण बस दिखावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कानून को लेकर योगी सरकार को घेरा है। पूर्व सीएम ने कहा है कि प्रदेश में सात साल के भाजपा शासन में कानून राज जैसा कुछ भी नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री पुलिस बल को आधुनिक बनाने का दावा भले पेश करें, लेकिन हकीकत में यह दिखावे से अधिक कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार के समय अत्याधुनिक पुलिस रिस्पांस सिस्टम को बदले की भावना से ध्वस्त कर दिया, उससे पुलिस बल को तकनीकी रूप से स्मार्ट, दक्ष एवं सक्षम बनाने की क्या उम्मीद की जा सकती है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अपराधी बेलगाम हैं। भाजपा कार्यकर्ता और नेता अराजकता पर उतारू हैं। पिछले दिनों बरेली में दो पक्षों के बीच खुलेआम गोलियां चलीं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा जनता से बदला लेने पर उतारू है। इससे पहले केंद्र सरकार को भी सपा प्रमुख ने घेरा। अखिलेश यादव ने आगे कहा 'सत्तारूढ़ दल द्वारा भारत को विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया जाता है। क्या इसने देश के किसानों को समृद्धि बनाया? अगर भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है , तो इतने सारे युवा बेरोजगार क्यों हैं? देश में अग्निवीर योजना क्यों है? महंगाई पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही?

## आपातकाल के कैदियों को भाजपा ने कुछ नहीं दिया

राष्ट्रपति के संबोधन के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन लोगों के लिए क्या किया, जिन्हें आपातकाल के दौरान जेल में डाला गया था? जबकि, समाजवादी पार्टी ने उन लोगों को सम्मान और पेंशन दी।

## सपा नेताओं के मन में देश की संस्कृति के प्रति सम्मान नहीं : योगी

सेंगोल पर समाजवादी पार्टी के नेताओं की टिप्पणी पर सीएम योगी ने करारा प्रहार किया है। अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सीएम योगी ने लिखा कि यह सपा नेताओं की अज्ञानता को दर्शाता है। सीएम योगी ने लिखा कि समाजवादी पार्टी के मन में भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति कोई सम्मान नहीं है। सेंगोल पर उनके शीर्ष नेताओं की टिप्पणियां निंदनीय हैं। यह उनकी अज्ञानता को दर्शाती है। यह विशेष रूप से तमिल संस्कृति के प्रति इंडी गठबंधन की नफरत को भी दर्शाता है। सीएम योगी ने लिखा कि सेंगोल भारत का गौरव है। यह सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसे संसद में सर्वोच्च सम्मान दिया। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी ने विगत दिनों प्रोटेम स्पीकर को पत्र लिखकर सेंगोल पर टिप्पणी की थी।

# आपातकाल पर बयानबाजी को नजरअंदाज किया जा सकता था : राहुल गांधी

» राजनीति से प्रेरित था स्पीकर का भाषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। राहुल ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा संसद में आपातकाल पर की गई टिप्पणियों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल राव ने इस बारे में जानकारी दी।

के सी वेणुगोपाल ने बताया कि 'यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुने जाने के बाद इंडिया के घटक दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की। जब कांग्रेस महासचिव से सवाल पूछा गया कि क्या राहुल गांधी ने ओम बिरला के समक्ष सदन में उठाए गए आपातकाल के मुद्दे पर बातचीत की? इसके जवाब में वेणुगोपाल ने कहा कि 'हमने सदन के संचालन को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की और आपातकाल के मुद्दे पर भी बात हुई।' विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आपातकाल पर बयानबाजी को नजरअंदाज किया जा सकता था। उन्होंने आगे कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था।

## राष्ट्रपति के संबोधन में कुछ भी नया नहीं : तारिक अनवर

कांग्रेस नेता तारिक अनवर का कहना है कि राष्ट्रपति के संबोधन में कुछ भी नया नहीं था। उन्होंने कहा आपातकाल के बाद भी देश में कई बार लोकसभा चुनाव हुए और भाजपा को हार मिली। उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है। आपको बता दें कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की कड़ी निंदा की थी। 24 जून को लोकसभा का पहला सत्र शुरू होते ही पीएम मोदी ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान आपतकाल को देश पर काला धब्बा करार दिया था। उधर, लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद ओम बिरला ने भी एक प्रस्ताव पढ़ा। उन्होंने आपातकाल देश को संविधान पर हमला करार दिया था।

# डीके शिवकुमार के समर्थन में आये वोक्कालिगा के संत

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बदलाव की मांग भी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर शह और मात का खेल शुरू हो गया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार से समर्थक खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन का राग छेड़ा है तो सिद्धारमैया समर्थक मंत्रियों ने तीन डिप्टी सीएम के फॉर्मूले को लागू करने का दांव चल दिया है।

कई मंत्री लिंगायत, दलित और अल्पसंख्यक डिप्टी सीएम बनाने के लिए आवाज बुलंद करने लगे हैं। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बदलाव की मांग भी शुरू हो गई है। यह पद अभी डीके शिवकुमार के पास ही है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट मानते हैं कि विधानसभा चुनाव के

बाद निकाले गए फॉर्मूले के तहत डीके शिवकुमार सीएम पद के दावेदार हैं। पार्टी में वह संकटमोचक के तौर पर उभरे हैं। उन्हें केंद्रीय नेतृत्व का विश्वास भी हासिल है, ऐसे में सिद्धारमैया समर्थकों ने प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। फिलहाल इस खेल के शुरू होने के बाद डीके शिवकुमार ने चुप्पी साध रखी है। कर्नाटक में फिर से सत्ता का नाटक शुरू होने वाला है। माना जा रहा है कि मंत्रियों ने डीके शिवकुमार को काबू में करने के लिए तीन डिप्टी सीएम का मुद्दा उछाला गया है। अभी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है और डीके फॉर्मूले तहत सीएम पद के दावेदार हैं।

# राष्ट्रपति के अभिभाषण में सारी बातें हवा-हवाई : मायावती

## सेंगोल के मुद्दे पर बसपा सुप्रीमो ने सपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को हवा-हवाई करार दिया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति जी ने पिछले दस वर्षों की जो उपलब्धियां गिनाई हैं वह सब हवा-हवाई हैं। ये सब जमीनी हकीकत से बहुत दूर है। वहीं सपा के सांसद आरके चौधरी के सेंगोल पर दिये बयान पर बसपा प्रमुख ने सपा को भी घेरा है। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई और बेरोजगारी को लेकर कतई गंभीर नहीं दिख रही है। आने वाले पांच वर्षों का जो रोड मैप पेश किया गया है उसमें भी खास दम नहीं है।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा कि सेंगोल को संसद में लगाना या नहीं लगाना, इस पर बोलने के साथ-साथ सपा के लिए

यह बेहतर होता कि यह पार्टी देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों के हितों में तथा आम जनहित के मुद्दों को भी लेकर केंद्र सरकार को घेरती।

## सेंगोल की जगह उपेक्षित वर्गों के हितों के लिए सरकार को घेरे सपा

सच्चाई यह है कि यह पार्टी (सपा) अधिकांश ऐसे मुद्दों पर चुप ही रहती है। सरकार में आने पर कमजोर वर्गों के खिलाफ फैसले भी लेती है। इनके महापुरुषों की भी उपेक्षा करती है। इस पार्टी के सभी हथकंडों से जरूर सावधान रहें। सेंगोल को संसद में लगाना या नहीं, इस पर बोलने के साथ-साथ सपा के लिए यह बेहतर होता कि यह पार्टी देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों के हितों में तथा आम जनहित के मुद्दों को भी लेकर केन्द्र सरकार को घेरती।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# विस चुनाव से पहले कृषि कर्ज माफ किया जाय : ठाकरे

» बोले- मानसून सत्र शिंदे सरकार का विदाई सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से कृषि कर्ज पूरी तरह माफ करने और इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इसे लागू करने की मांग की। ठाकरे ने राज्य विधानसभा के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महायुति सरकार का ''विदाई'' सत्र भी बताया।

उन्होंने कहा, ''कृषि कर्ज तुरंत माफ किया जाना चाहिए और राज्य विधानसभा चुनाव से पहले इसे लागू

किया जाना चाहिए।'' राज्य सरकार शुक्रवार को अपना बजट पेश करेगी। केंद्र तथा राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने नीट परीक्षा और अयोध्या में राम मंदिर में पानी के रिसाव की खबरों के संदर्भ में कटाक्ष करते हुए कहा कि ये दोनों ''लीकेज गवर्नमेंट'' हैं।

# इसबार नए-नए मुद्दों से घिरेगी सरकार

## विपक्ष ने तलाशे कई आमजन से जुड़े सरोकार

- उत्तर से लेकर दक्षिण तक सियासी दलों में हार-जीत पर मंथन शुरू
- सेंगोल से लकर पेरपलीक मामले पर बढ़ेगी रार
- कांग्रेस-आप-सपा की रणनीति से बीजेपी होगी बेचैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई लोकसभा, नए स्पीकर, नई सरकार व नए विपक्ष ने काम करना शुरू कर दिया है। एनडीए सरकार के रोडमैप का खाका भी राष्ट्रपति अभिभाषण से संसद के संयुक्त सत्र में बता दिया है। इन सबके बीच सियासी दलों ने भी अपने काम करने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस, भाजपा, सपा, बसपा, टीएमसी, राजद, आप, डीएमके समेत लगभग देश के सभी पार्टियों ने चुनावों में अपनी जीत व हार पर समीक्षा करना शुरू कर दिया है। कुछ सियासी दलों ने अपनी पार्टियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं।

उधर उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक सियासी पार्टियों में अंदरूनी मतभेदों पर भी बहस हो रही है। वहीं चूकि इसबार संसद में विपक्ष काफी मजबूती से उभरा है तो वह नए-नए मुद्दों की तलाश करके बीजेपी गठबंधन की सरकार को घेरने की योजना भी बना रहे हैं। इसी के तहत सपा ने जहां संसद में सेंगोल को लेकर दिये बयान से सियासी बहस छिड़वा दी है तो नेशनल कांफ्रेंस के नेता ने 370 का मुद्दा उठाया। अभी तो 18वीं लोक सभा शुरू हुई है उम्मीद की जा रही है आगे आने वाले समय में विपक्ष हावी रहेगा और सत्ता पक्ष को बैकफुट पर रहने को मजबूर होगी।

### सेंगोल को म्यूजियम पर रखना चाहिए : मीसा भारती

आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि सेंगोल को म्यूजियम में रखना चाहिए. संसद में इसे नहीं रखना चाहिए. वो राजतंत्र का प्रतीक है. ये किसी के अपमान वाली बात नहीं है.

## यूपी मे मायावती ने फिर बदली रणनीति

बसपा मुखिया मायावती के भतीजे आकाश आनंद फिर से मायावती के उत्तराधिकारी बन गए हैं। फिर से उन्हें बसपा का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है। और फिर से ये साफ हो गया है कि बसपा में मायावती के बाद नंबर दो की कुर्सी आकाश आनंद की ही है। लेकिन इसकी वजह क्या है। क्या मायावती का मन बदल गया है। क्या मायावती को लगने लगा है कि आकाश आनंद परिपक्व हो गए हैं। क्या आकाश आनंद की वापसी की वजह उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाला उपचुनाव है, जिसे बसपा ने अकेले लड़ने का फैसला किया है। या फिर आकाश आनंद की वापसी की असली वजह कुछ और नहीं बल्कि नगीना लोकसभा से जीतकर संसद पहुंचे चंद्रशेखर हैं, जिनकी जीत में दलितों का नया मसीहा दिखने लगा है। इससे पहले मायावती ने न सिर्फ आनंद को अपने उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया, बल्कि उनसे बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर का पद भी छीन लिया और इसके पीछे वजह बताई कि आकाश आनंद अभी परिपक्व नहीं हैं, इतनी बड़ी जिम्मेदारी संभालने को तैयार नहीं हैं। लेकिन 47 दिन बीतते-बीतते मायावती को अपनी गलती का एहसास हो गया। आकाश आनंद की वापसी हुई और फिर से उन्हें उत्तराधिकारी के साथ ही नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद पर भी बहाल कर दिया गया।

### बसपा की नजर वोट बैंक पर

मायावती ने यूपी में 80 की 80 सीटों पर चुनाव लड़ा। खाता तो नहीं ही खुला वोट बैंक भी 10 फीसदी के नीचे आ गया। कुल वोट मिले 9.39 फीसदी, जो बसपा के गठन से अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है. बसपा ने जब 1989 में अपना पहला चुनाव लड़ा था, तब भी बसपा को 9.90 फीसदी वोट मिले थे और उसने लोकसभा की कुल 2 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन 2024 में तो मायावती का कोई भी प्रत्याशी दूसरे नंबर पर भी नहीं पहुंच सका।

### माया की नजर दक्षिण के सभी राज्यों पर

मायावती ने पूर्व राज्यसभा सदस्य डा. अशोक सिद्धार्थ को दक्षिण के सभी राज्यों में बसपा को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी है। हिन्दी भाषी राज्य दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार राज्य का प्रभारी रामजी गौतम, जम्मू-कश्मीर का राजाराम को जबकि झारखंड का गया चरण दिनकर को सौंपा है। सूत्रों के मुताबिक, मायावती ने तीन-तीन मंडलों को मिलाकर छह सेक्टर में प्रदेश को बांटते हुए सभी में अब चार-चार वरिष्ठ पदाधिकारी को लगाया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को अयोध्या, आजमगढ़ और वाराणसी मंडल के सेक्टर का भी दायित्व सौंपा है। पाल के साथ डा. विजय प्रकाश, धर्मवीर अशोक व भीम राजभर भी लगाए गए हैं। इसी तरह लखनऊ, प्रयागराज व मिर्जापुर मंडल के सेक्टर में घनश्याम खरवार, दिनेश चंद्रा, अखिलेश आंबेडकर व शमसुद्दीन राइन, गोंडा, बस्ती व देवीपाटन मंडल के सेक्टर डा. बलिराम, भीमराव आंबेडकर, इंदरराम व सुधीर, मेरठ, सहारनपुर व मुरादाबाद सेक्टर में मुनकाद अली, गिरीश चंद्र, दारा सिंह प्रजापति व राजकुमार गौतम, आगरा, अलीगढ़ व बरेली सेक्टर में सूरज सिंह, जफर मलिक, हेमंत प्रताप व सत्यपाल तथा कानपुर, झांसी व चित्रकूट मंडल के सेक्टर का दायित्व नौशाद अली व प्रवेश कुरील को सौंपा गया है। सूत्र बताते हैं कि पार्टी में बड़े स्तर पर अभी और भी फेरबदल हो सकता है।

## चंद्रशेखर आजाद ने उड़ाई बहन जी की नींद

बाकी रही-सही कसर पूरी कर दी चंद्रशेखर आजाद ने। उन्होंने नगीना लोकसभा सीट से एक लाख 52 हजार वोट के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। मायावती ने दलित होने के नाते चंद्रशेखर को कोई रियायत नहीं दी थी। उनके खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा था, जिनका नाम था सुरेंद्र पाल सिंह, चंद्रशेखर के सामने चुनाव लड़ रहे सुरेंद्र पाल सिंह को महज 13,272 वोट मिले, जबकि चंद्रशेखर ने 5,12,552 वोट लाकर इस सीट से जीत दर्ज की और इस जीत ने ये तय कर दिया कि अगर उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति का कोई चेहरा है तो वो चेहरा अब चंद्रशेखर हैं मायावती नहीं, जिन्होंने अपने चुनाव प्रचार की लाइन ही रखी थी कांशीराम जी के सपने। ऐसे में मायावती को अब सपा या बीजेपी से नहीं बल्कि चंद्रशेखर से मुकाबला करना है। चंद्रशेखर

से मुकाबला कर साबित करना है कि दलितों का मसीहा कौन है और जिस तेवर के साथ चंद्रशेखर रैलियों में भाषण देते हैं, वैसा तेवर बसपा में अगर किसी के पास है,तो वो हैं आकाश आनंद. इसकी झलक लोकसभा चुनाव में भी मिल चुकी है। 7 मई 2024 से पहले तक जब तक आकाश आनंद मायावती के उत्तराधिकारी, नेशनल कोऑर्डिनेटर और स्टार प्रचारक रहे थे, उनके वीडियो सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे थे, जिस तरह से आकाश आनंद प्रधानमंत्री मोदी पर तल्ख टिप्पणियां कर रहे थे, उनकी रैली में मौजूद लोग तालियां बजा रहे थ लेकिन तब यही तेवर आकाश आनंद को भारी पड़े थे और उन्हें अपने पद से हाथ धोना पड़ा था। लेकिन 47 दिनों के अंदर-अंदर मायावती को ये लगने लगा है कि अगर चंद्रशेखर से मुकाबला करना है, चंद्रशेखर की राजनीति की काट खोजनी है तो फिर उसी तेवर की जरूरत पड़ेगी, जो आकाश आनंद के पास है, लिहाजा आकाश आनंद की वापसी हो गई है. लेकिन अभी ये देखना बाकी है कि क्या आकाश आनंद के तेवर वही पुराने वाले रहेंगे या फिर उनकी टोन डाउन होती है. और देखना ये भी है कि क्या चंद्रशेखर अपने उसी पुराने तेवर के साथ ही संसद में भी आएंगे और सड़क पर भी जैसे तेवर सांसद बनने से पहले के थे बाकी तय तो ये भी है कि जो चंद्रशेखर अभी तक सीधे मायावती पर हमलावर होने से बचते थे, अगर आकाश आनंद उनका नाम लेते हैं तो फिर चंद्रशेखर के निशाने पर भाजपा, सपा और कांग्रेस ही नहीं बल्कि बसपा भी होगी। और आकाश आनंद-चंद्रशेखर की सियासी लड़ाई में जो जीतेगा, वही फिलहाल दलितों का नया मसीहा होगा।

### संसद से सेंगोल हटाने के मुद्दे पर सियासी रार बढ़ी

सेंगोल को लेकर सपा सांसद आरके चौधरी ने कहा कि सेंगोल की जगह संसद में संविधान रखा जाना चाहिए। इस पर जीतनराम मांझी से लेकर अनुप्रिया पटेल तक एनडीए के कई सहयोगियों ने मोदी सरकार के फैसले का साथ दिया है, हालांकि अखिलेश यादव कि हमारे सांसद इसलिए कह रहे होंगे कि जब पहली बार इसे स्थापित किया गया तो तब पीएम ने इसे प्रणाम किया था. लेकिन इस बार शपथ लेते हुए पीएम मोदी भूल गए इसलिए ये याद दिलाने के लिए हमारे सांसद ने पत्र लिखा है इस पर जीतन राम मांझी बोले- मोदी ने जो किया सही किया। वहीं जयंत चौधरी ने कहा कि वे इस तरह का रोज कुछ बोलना चाहते हैं कि ताकि चर्चा में आ सकें।

### मेरी समझ से परे : चिराग

चिराग पासवान ने कहा कि मेरी समझ से परे है कि आपके क्षेत्र की जनता ने काम करने के लिए चुना है या विवादित राजनीति करने के लिए. इस तरह के प्रतीकों को गलत दृष्टि से दिखाने का प्रयास किया गया अब जब हमारे पीएम ने उन्हें उचित सम्मान दिया जाता है क्यों इन्हें सारी चीजों से ऐतराज होता है। क्यों सकारात्मक राजनीति की सोच ये नेता रखते.

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# जनता की उम्मीदों की नई किरण नेता प्रतिपक्ष

**इसबार जिस तरह से संसद का गठन हुआ है उससे विपक्ष के पास भी मजबूती है और वह सत्ता पक्ष पर अपने सवालों से अंकुश भी लगा सकता है। नेता प्रतिपक्ष केवल विपक्ष की ही आवाज नहीं होता है वह आमजन की भी आवाज होता है। अब जनता भी मजबूत हो गई है कि अगर सरकार उसकी नहीं सुनेगी तो वह अपनी समस्याएं नेता प्रतिपक्ष के सामने भी उठा सकती हैं।**

*18वीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बहुत ही रणनीतिक तरीके से लड़ाई लड़ी। इस पूरी लड़ाई को अहम अंजाम तक पहुंचाने में राहुल गांधी की भूमिका सबसे निर्णायक रही। उनके भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस की सीटों को बढ़ाने में मदद की। इसबार 99 सीटों के साथ सबसे पुरानी पार्टी ने प्रतिपक्ष के नेता का ओहदा भी संभाल लिया। उसका समर्थन विपक्षी गठबंधन इंडिया के अन्य सहयोगियों का भी मिला। राहुल गांधी इस साल लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता होंगे। इसबार जिस तरह से संसद का गठन हुआ है उससे विपक्ष के पास भी मजबूती है और वह सत्ता पक्ष पर अपने सवालों से अंकुश भी लगा सकता है। नेता प्रतिपक्ष केवल विपक्ष की ही आवाज नहीं होता है वह आमजन की भी आवाज होता है। अब जनता भी मजबूत हो गई है कि अगर सरकार उसकी नहीं सुनेगी तो वह अपनी समस्याएं नेता प्रतिपक्ष के सामने भी उठा सकती है।*

*इसबार जनता ने सियासी दलों को सीख भी दी है। कांग्रेस हो या भाजपा प्रचंड जीत से बौराने की प्रवृति से सभी दलों को तौबा करना होगा। कांग्रेस को जनता ने नया जीवनदान दिया है। इसलिए कांग्रेस के सितारे एक बार फिर थोड़े से चमके हैं। 16वीं और 17वीं लोकसभा में नबंरों के लिहाज से कांग्रेस बीते 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में इतना पिछड़ गई थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद भी नसीब नहीं हुआ। नेता विपक्ष पद की बात तो दूर, पार्टी का भविष्य और अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया था। कम नंबर संख्या के कारण ही संसद में नेता विपक्ष की सीट भी रिक्त रही। भाजपा 400 पार के नारे के साथ फिर से प्रचंड बहुमत में आने को पूरी तरह आश्वस्त थी, लेकिन जनता ने अस्वीकार कर दिया। जनता का संदेश पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बराबर है? जो जनता के हित में काम करेगा, उसकी जयकार होगी। वरना, घमंड चकनाचूर करने में देश के मतदाता जरा भी नहीं हिचकेंगे? 2024 के जनादेश ने देश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। चाहे प्रधानमंत्री हों या नेता विपक्ष सभी से काम की उम्मीद करती है। नेता भी अब समझ गए हैं कि लच्छेदार बातों और हवा-हवाई दावों से अब काम नहीं चलने वाला? नेता विपक्ष का पद राहुल गांधी की सियासी समझ की भी कठिन परीक्षा लेगा? क्योंकि सत्तापक्ष और देश की एक बड़ी आबादी अभी तक उन्हें सियासत का 10वीं पास छात्र ही समझती रही है। खैर पुरानी बाते अब इतिहास हो गई है। अब राहुल गांधी नए कलेवर में आ गए हैं जनता को आश्वस्त होना चाहिए कि उसको एक परिपक्व नेता मिल गया हे जो उसे समस्याओं से निजात दिला सकता है। नए प्रतिपक्ष नेता बनने पर राहुल गांधी पूरे देश की ओर से बधाई दी गई।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

## रोहित सरदाना, विकास शर्मा और अब मयंक सक्सेना

# दिल ने साथ देने से मना कर दिया!

शशि शेखर

मीडिया के दोस्तों, यह पोस्ट खास आपके लिए... रोहित सरदाना, विकास शर्मा, मयंक सक्सेना के बहाने...उम्र (मौत) क्या ईश्वर तय करते है? रिपब्लिक हिन्दी के एंकर विकास शर्मा, आज तक के रोहित सरदाना और अब मयंक सक्सेना। तीनों की पिछले तीन साल में हुई मौत अप्राकृतिक है। कहीं से नहीं लगता कि ईश्वर ने उनके लिए मौत की तारीख निश्चित की थी। तीनों युवा, ऊपर से तंदुरुस्त दिखने वाले लेकिन, क्या हुआ कि उनके दिल ने साथ देने से मना कर दिया? क्या उनकी मौत में ईश्वरीय सहमति थी? मुझे यकीन नहीं होता।

करीब 7 या 8 चिरंजीवी आज भी हमारे सनातन धर्म में माने जाते है। मसलन, हनुमान जी, कृपाचार्य, अश्वत्थामा आदि। भीष्म पितामह को इच्छा मृत्यु का वरदान था। अब, हम अपने आसपास निगाह डालें तो पुरानी पीढ़ी के 80-90 साल के वृद्ध बेहतर हालात में मिल जाएंगे और हम यह कहते भी है, पुराना खानपान का असर है, तो नए खानपान में ऐसा क्या मिल गया है, नए जमाने में ऐसी क्या बात आ गयी है कि राह चलते, अस्पताल तक जाते-जाते युवा मरे जा रहे हैं।

ग्रंथों में कहा गया है कि मृत्यु के 101 स्वरूप होते है। लेकिन, इसे मुख्य रूप से 8 प्रकार में बांटा गया है। बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मात आघात, शोक, चिंता ओर लालच आदि इसके मुख्य स्वरूप है। इसमें से बुढ़ापा को छोड़ दे (जो एक नेचुरल प्रोसेस है) तो अन्य कारण एक्सटर्नल (बाहरी प्रभाव) कॉज माने जा सकते है। इसका माने यह हुआ कि हम रोग से बच सकें, एक्सीडेंट से बच सके, फ्रस्ट्रेशन, डिप्रेशन से बच सके तो शायद हम लंबा जी सकते हैं। शायद! क्योंकि आज मृत्यु शोक का भले कारण हो लेकिन हमारे पूर्वज जब पेड़ से उतर कर धरती पर पहली बार आए थे तो उन्हें पता ही नहीं था कि कब किस पल किधर से शेर या जंगली जानवर आ कर उन्हें खा जाएगा।

शायद, तब शुरुआती दौर में मृत्यु पर शोक मनाने की न इंसानों में सहालियत थी न जरूरत। तब रिश्ते नहीं थे, तब संवेदना का वो स्तर शायद नहीं था! लेकिन, आज है क्या? विकास शर्मा का अंतिम वीडियो देखिये, कितना दुखी है वो। लेकिन, उसे टीवी स्क्रीन पर

समाचार पढ़ते देखिये। लगता था, राहुल गांधी उसके सामने आ जाए तो कच्चा चबा जाएगा। निश्चित ही वह नाटक था, विकास ने इस बात को भी कबूला था अपने अंतिम वीडियो में। लेकिन, यह सब विकास किसके लिए कर रहा था बदले में उसे क्या मिल रहा था? डिप्रेशन, फ्रस्ट्रेशन यानी, कर्ता स्वयं अपने रोगों का कारण था, तो भोक्ता कौन होगा? ईश्वर? नहीं। याद रखिये, हमारा एक हर काम हमारा खुद के द्वारा तय होता है। हम स्वयं कर्ता हैं, हमारे चुने गए कर्मों के लिए ईश्वर कहीं से जिम्मेवार नहीं है। गीता में भी भगवान कृष्ण पूरा ज्ञान देने के बाद अर्जुन से कहते हैं, पार्थ, मैंने सब कुछ बता दिया, लेकिन अब तुम्हें क्या करना है, इसका चयन तुम्हें खुद करना है। जो अर्जुन अपने धर्म से विमुख हो गया था, उसने गीता का ज्ञान पाने के बाद अपने कर्म का चयन किया। कर्ता अर्जुन था, तो भोक्ता भी वहीं था। कर्ता यदि ईश्वर हो जाए तो भोक्ता फिर कौन होगा? ईश्वर? ऐसा नहीं होता है। तो विकास हो या रोहित सरदाना अपने प्रोफेशनल मजबूरी और मालिक का जेब भरने के लिए वैसे कर्म को चुन रहे थे, जिसके चयनकर्ता वे स्वयं नहीं थे। निश्चित ही मालिकों के दबाव में उन्होंने उन धत कर्म का चयन किया था। लेकिन, कर्ता वे स्वयं थे, इसलिए भोक्ता भी उन्हें ही होना पड़। मयंक सक्सेना के बारे में कल से सुना। मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे नहीं मिला हूं। लेकिन, उनके काम, उनके तेवर से परिचित हूं। मीडिया के साथियों, अव्वल तो यह कि कुलदीप नैय्यर साहब बहुत पहले कह चुके थे कि अब पत्रकारिता से क्रान्ति नहीं आने वाली और यह भी याद रखना होगा कि यह जगत क्रान्तिकारी बदलाव को स्वीकार करता ही नहीं। इसका अस्तित्व ही इवोल्यूशन (क्रमिक विकास) पर टिका है। फिर क्यों खून जलाते हो आप अपना। मैं स्वयं में एक उदाहरण हूं, पिछले 12-13 सालों में मैंने जितना लिखा-पढ़ा और विचारधारा विशेष (धर्मनिरपेक्ष, जिस पर मैं आज भी कायम हूं) के समर्थन में ये सब किया, वह सब राजनैतिक रूप से इतना कमतर है, कमजोर है, कि आप किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करते हैं तो आपकी बेवकूफी है। किसी भी पत्रकार को अगर यह इलहाम हो जाए कि उसके रिपोर्ट से फलां चीज बदल गया, तो समझिये वह यूटोपिया में जी रहा है. और अगर कुछ बदल भी गया तो हिन्दुस्तान जैसे चादर में वह एक रफ़ू से अधिक कुछ नहीं है. चलिए, मान लिया कि आज वैकल्पिक मीडिया हो या मेनस्ट्रीम मीडिया या एक्टिविज्म का फील्ड, सब जगह उग्रता की डिमांड है. रवीश कुमार को बोलते सुनता हूँ, तो डर लगता है उनके लिए. किसी दिन उनके साथ अचानक कोई अनहोनी न हो जाए. कितना गुस्सा, कितनी नफ़रत, कितना द्वेष भरा है इनमें. आखिर वह जहर ही तो है।

# नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में दिक्कतें

के.पी. सिंह

तीन नये आपराधिक कानून, अर्थात भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) 1 जुलाई, 2024 से लागू होने जा रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने आपराधिक प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नए कानूनों की सराहना की है और उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि कानूनी बिरादरी के एक वर्ग ने इन कानूनों के कुछ प्रावधानों की अनिश्चितता, अस्पष्टता और संवैधानिकता के बारे में गम्भीर चिंता जताई है।

ममता बनर्जी सहित विपक्षी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि नये अधिनियमों को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए जब तक कि लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य उनकी संस्तुति नहीं कर देते। उनका तर्क है कि ये कानून संसद में बिना किसी सार्थक बहस के जल्दबाजी में पारित कर दिए गए थे, क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलम्बित थे। नए आपराधिक कानूनों की वैधता के बारे में इतनी देरी से चिन्ता व्यक्त करना अवसरों को गंवाने के अलावा और कुछ नहीं है, ये कानून तीन साल की लम्बी परामर्श प्रक्रिया और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बनाए गए थे। इसके बाद गृह मंत्रालय की संसदीय समिति द्वारा इन कानूनों की गहन जांच की गई थी। यहां तक कि दो अलग-अलग अवसरों पर सार्वजनिक नोटिस के जरिए जनता से सुझाव भी मांगे गए थे। सरकार इनमें से किसी भी मांग के आगे नहीं झुक रही है और कानूनों को लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रही है। इसके अतिरिक्त, नए प्रावधानों की असंवैधानिकता के बारे में चिंताएं इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं हैं कि बीएनएस में बदलाव मुख्य रूप से नवतेज जौहर (2018), जोसेफ शाइन (2018) और पी. रथिनम (1994) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का प्रतिबिम्ब है। भारतीय न्याय संहिता से राजद्रोह की धारा हटाना राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में केन्द्र सरकार के हलफनामे पर क्रियान्वयन दर्शाता है, साथ ही इसमें लम्बे समय से लम्बित राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्बोधित किया गया है। बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होती क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है। विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बावजूद, नये कानूनों का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण, हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, नियम और संचालन प्रक्रियाएं निर्धारित करना, मानक प्रपत्रों में संशोधन करना और परिचालन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्तर-एजेंसी समन्वय करना शामिल है। साथ ही एक बात जो विश्वास दिलाती है कि ये कानून समय पर लागू होंगे यह है कि एक अनुभवी और समय-परीक्षणित आपराधिक न्याय प्रणाली अस्तित्व में है जिसमें किसी भी बदलाव को अपनाने और सीमित संसाधनों के साथ किसी भी समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजने की कुव्वत है। नये कानून तय समय पर लागू होंगे, इसका एक और आश्वासन इस हकीकत से भी मिलता है कि पुलिस, अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को बड़े पैमाने पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण दिया गया है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। हालांकि, कानून लागू करने की व्यवस्था से जुड़े कुछ अधिकारी अभी भी आशंकित हैं, उनका तर्क है कि नए कानूनों के सफल प्रवर्तन से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अभी भी सम्बोधित किया जाना बाकी है, ताकि अधिनियमों का निर्बाध प्रवर्तन सुनिश्चित किया जा सके। बीएनएसएस में कई अनिवार्य प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तलाशियों, जब्तियों और अपराध के दृश्य की वीडियोग्राफी और केस प्रॉपर्टी आदि की फोटोग्राफी शामिल है, जिनके लिए शुरुआत से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग करना आवश्यक होगा। हालात यह है कि सभी जांचकर्ताओं और निर्णायकों को अभी भी उपयुक्त उपकरण और तकनीकी प्रदान करके उनका उपयोग करना सिखाना अभी तक सम्भव नहीं हो पाया है, ताकि आवश्यक डिजिटल आउटपुट समान रूप से और स्वीकार्य रूप में उत्पन्न, सुरक्षित और संगृहीत किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, ई-कोर्ट कार्यवाही का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक संचार आदि के माध्यम से समन और वारंट भेजने सहित कई अन्य प्रक्रियाएं हैं, जिनके लिए अदालतों, पुलिस स्टेशनों और जेलों का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, नियमों का मानकीकरण, तकनीकी और सहायक कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधन और अंतर-एजेंसी समन्वय अति आवश्यक होंगे। जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक अधिकांश राज्यों में इस दिशा में कुछ भी ठोस नहीं किया गया है। बीएनएस में दी गई दंड की सूची में 'सामुदायिक सेवा' को भी शामिल कर लिया गया है, वस्तुस्थिति यह है कि एजेंसियों को अभी तक इस सज़ा को लागू करने के अधिकार क्षेत्र के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, न ही इस सज़ा को भुगताने के लिए आवश्यक संस्थानों की पहचान करके नियम बनाए गए है।

# तपती गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाएंगी ये चीजें

एनसीआर सहित कई राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। बढ़ता तापमान संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। उच्च तापमान, धूप की चपेट में आने के कारण हीट स्ट्रोक से लेकर ब्लड प्रेशर बढ़ने, हृदय गति में असमानता, डायबिटीज की समस्या सहित कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रहने के लिए जरूरी है कि आप शरीर के तापमान को नियंत्रित करते रहने के निरंतर प्रयास करते रहें। आहार में कुछ चीजों को शामिल करना इसमें आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। उनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। अपने हाइड्रेटिंग गुणों के कारण इनका सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं से बचाने में मददगार हो सकता है।

## हीट स्ट्रोक से बढ़ता है शरीर का तापमान

हीट स्ट्रोक गर्मियों में होने वाली सामान्य समस्या है। इसमें शरीर का तापमान 104 डिग्री से अधिक बना रहता है। शरीर को प्राकृतिक रूप से ठंडा करने वाले पसीने के तंत्र फेल हो जाते हैं जिसके कारण तेज गर्मी के बावजूद भी पसीना नहीं आता है। हीट स्ट्रोक के कारण चक्कर आने, पाचन में गड़बड़ी से लेकर रक्तचाप से संबंधित विकारों का खतरा भी बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक से बचे रहने के लिए भी शरीर को शीतलता प्रदान करने वाली चीजों को आहार का हिस्सा बनाना जरूरी माना जाता है।

## पिएं नारियल पानी

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है। ये शरीर में पानी की कमी को दूर करने के साथ तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार पेय है। नारियल पानी में सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम सहित शरीर के लिए आवश्यक कई प्रकार के लाभकारी पोषक तत्वों की श्रृंखला होती है। रोजाना नारियल पानी पीने से गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों से आसानी से बचाव किया जा सकता है।

## जरूर खाएं खीरा-तरबूज

खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसी तरह से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरबूज के सेवन से आप न सिर्फ शरीर को ठंडा रख सकते हैं साथ ही ये डिहाइड्रेशन से सुरक्षा देने में भी लाभकारी है। खीरा और तरबूज में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स की भी मात्रा होती है जो शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने और गंभीर बीमारियों से बचाने में फायदेमंद है।

## शरीर को ठंडा रखता है पुदीना

पुदीने में मेन्थॉल होता है जो शरीर का ठंडक का एहसास कराने में मददगार है। पानी, चाय, सलाद या स्मूदी में ताजी पुदीने की पत्तियां मिलाकर इसका सेवन करने से न सिर्फ आप गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रह सकते हैं साथ ही ये पाचन स्वास्थ्य को ठीक रखने में भी सहायक है। कब्ज-अपच जैसी दिक्कतों में भी पुदीने की पत्तियों के सेवन से लाभ पाया जा सकता है। पुदीना का उपयोग पाचन संबंधी समस्याओं में किया जाता है। पेट दर्द होने पर भी पुदीने को जीरा, काली मिर्च और हींग के साथ मिलाकर खाने से आराम मिलता है। पुदीना अपनी ठंडी तासीर के लिए जाना जाता है। खीरे की तरह ही पुदीना भी त्वचा को मॉश्चराइज करने के काम आता है। पुदीने की पत्तियों के रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा को ताजगी और नमी मिलती है। पुदीने की पत्तियों के रस को दही या शहद के साथ मिलाकर लगाना बहुत फायदेमंद होता है। एलर्जी में पुदीना बेहद लाभकारी होता है। नाक, आंख से जुड़ी एलर्जी में यह बेहद कारगर है। यह दिमाग को शांत रखती है और तनाव से भी दूर करती है।

## हंसना मना है

जज- तुमने इसके पैसे क्यूं चुराए? चोर- मैने पैसे नहीं चुराए, इसने खुद ही दिए थे, जज- इसने पैसे कब दिए? चोर- जब मैने इसे बंदूक दिखाई!

अध्यापक ने रमेश से कहा-रमेश! सोना अधिक कहां होता है? रमेश ने कहा-जी! जहां रातें अधिक लंबी होती है, वहीं सोना अधिक होता है।

मास्टर-नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को। पप्पू-नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली टेढी-मेढी चली। मास्टर- तू पगला गया है क्या! पप्पू -देखो मास्टर साहब पहली बात यह है कि हम बिल्ली को हज पर क्यों भेजें, नौ सौ चूहे खाकर तो बिल्ली से हिला भी न जाये, ये बिल्ली है, कोई नेता नहीं है कि जो कितना भी खाये, चलते ही जाये।

अध्यापिका- कल मैंने तुझे कुत्ते पर निबंध लिखने को कहा था! तू लिखकर क्यों नहीं लाया? राकेश- क्या करूं मैडम, जैसे ही मैंने कुत्ते पर पेन रखा, वो भाग गया!

टीचर- तुमने कभी कोई नेक काम किया है? पप्पू-हां सर.. एक बुजुर्ग धीरे-धीरे अपने घर जा रहे थे.. मैंने कुत्ता पीछे लगा दिया, जल्दी पहुंच गए?

## कहानी | महिलामुख हाथी

राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत को पटक-पटक कर मार डाला। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। महिला मुख के इस व्यवहार को समझ नहीं आ रहा था। तब राजा ने वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

**वृषभ** दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। काम में मन नहीं लगेगा।

**मिथुन** प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

**कर्क** दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

**सिंह** अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**कन्या** व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

**तुला** बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

**वृश्चिक** नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

**धनु** धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**मकर** यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें।

**कुम्भ** धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

**मीन** स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# यदि आपके अंदर लगन है तो धर्म और क्षेत्र आड़े नहीं आ सकते : नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने छोटे छोटे रोल्स से फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, लेकिन आज वो किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। भले ही नवाज उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव से आते हैं, लेकिन फैंस ने बांहें फैलाए स्वीकार किया है, जिसके लिए वो शुक्रगुजार हैं। नवाज बताते हैं कि अगर आपके अंदर लगन है तो धर्म और क्षेत्र जैसी कोई चीज आपकी कामयाबी के आड़े नहीं आ सकती है। कई बार एक्टर्स ने ये खुलासा किया है कि एक धर्म विशेष का होने पर उन्हें काम मिलने में दिक्कत हुई। उनके हाथ से प्रोजेक्ट छीन लिए गए। उनके साथ भेदभाव किया गया।एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने अपने धर्म विशेष का होने पर बात की और बताया कि क्या कभी उन्होंने ने भी ऐसा कुछ फेस किया है। क्या कभी उनके हाथ से भी फिल्में छीन ली गई हैं। क्योंकि वो मुस्लिम धर्म से आते हैं तो क्या कभी उनके साथ कोई भेदभाव किया गया है। नवाजुद्दीन ने कहा- बिल्कुल नहीं। बल्कि, बाकी समाज को बॉलीवुड से सीखना चाहिए... क्या आप जानते हैं कि जहां तक एक्टिंग का सवाल है, अनुपम खेर नसीरुद्दीन शाह का बहुत सम्मान करते हैं? मैं बस इतना कह सकता हूं कि सांप्रदायिक राजनीति ऐसी चीज नहीं है जो मैं... कहते हुए वो रुक हए। फिर ये पूछे जाने पर कि क्या उन्हें खुद अपनी मुस्लिम पहचान के कारण भेदभाव का सामना करना पड़ा है, नवाज ने कहा- कभी नहीं। एक्टर ने आगे कहा- मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं। मेरा देश खूबसूरत है। मुझे यहां जो प्यार और सम्मान मिलता है, वो मुझे कहीं और नहीं मिल सकता। मैं आम लोगों के बीच आकर बहुत खुश हूं क्योंकि वो मुझे प्यार देते हैं, चाहे उनका बैकग्राउंड कुछ भी हो। आपको दुनिया में ऐसा कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। मैं अपने देश के अंदरूनी इलाकों में घूम चुका हूं, मुझे नहीं पता कि वे न्यूज में क्या दिखाते हैं, लेकिन हमारे देश के लोग खूबसूरत हैं, वो मासूम हैं।

# अब हॉरर कामेडी में रश्मिका के साथ रोमांस का तड़का लगायेंगे आयुष्मान

फिल्ममेकर दिनेश विजन का हॉरर यूनिवर्स जनता में पॉपुलैरिटी और बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी की नई ऊंचाइयां छू रहा है। श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री (2018) से शुरू हुए इस यूनिवर्स की लेटेस्ट फिल्म मुंज्या थिएटर्स में धमाल मचा रही है। अब ये यूनिवर्स और भी बड़ा होने जा रहा है और आयुष्मान खुराना के साथ रश्मिका मंदाना इसका हिस्सा बनने जा रही हैं।

पिछले साल से खबर आ रही थी कि श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, कृति सेनन और वरुण धवन जैसे स्टार्स के साथ अब आयुष्मान भी हॉरर यूनिवर्स में एंट्री ले रहे हैं। वो जिस फिल्म में दिखने वाले हैं उसका नाम वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर है। अब आयुष्मान की फिल्म को हीरोईन मिल गई है। रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल की कामयाबी के बाद रश्मिका मंदाना को जमकर फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं और उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स साइन भी किए हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर में आयुष्मान के अपोजिट रश्मिका को कास्ट किया गया है। सूत्र के हवाले से बताया गया, आयुष्मान खुराना और दिनेश विजन को वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर डिस्कस करते हुए लंबा वक्त हो गया है और इस साल के अंत तक अब वो फिल्म को फ्लोर्स पर ले जाने वाले हैं। ये पहली बार होगा जब रश्मिका और आयुष्मान पर्दे पर एकसाथ नजर आएंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों के किरदारों का कहानी में एक अलग और बहुत यूनीक आर्क होगा। दावा किया जा रहा है कि इन दोनों के किरदार और उनकी कहानी ऑडियंस को सरप्राइज कर देंगे।

बॉलीवुड | मसाला

# फिर छोटे पर्दे पर धमाकेदार वापसी को तैयार बिग बी की केबीसी-16

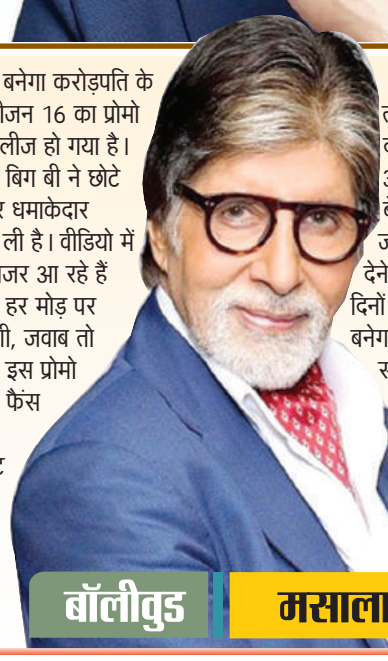

कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 16 का प्रोमो रिलीज हो गया है। शो के साथ बिग बी ने छोटे पर्दे पर फिर धमाकेदार वापसी कर ली है। वीडियो में वह कहते नजर आ रहे हैं कि, जिंदगी हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना पड़ेगा। इस प्रोमो को देखकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है। ये शो लोगों को बेहद पसंद आता है।

हर साल की तरह इस बार भी दर्शकों को शो के अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार है, जो जल्द ही दस्तक देने वाला है। पिछले दिनों मेकर्स ने कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन का ऐलान किया था। वहीं अब मेकर्स ने शो के तीन प्रोमो रिलीज कर दिए हैं। इससे पहले अमिताभ बच्चन सेट से कई तस्वीरें भी शेयर कर चुके हैं। शो के लिए 26 अप्रैल को रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए थे। शो के शेयर किए गए प्रोमो में एक लड़की अपनी मां से डांट खाती दिख रही है, उसकी मां बोलती है कि तुझसे शादी कौन करेगा तेरे जैसी पहाड़ चढ़ने वाली लड़की के साथ? तब लड़की अपनी मां से बोलती है कि, मां, ऐसा लड़का शादी करेगा, जिसकी सोच पहाड़ों से भी उंची होगी। फिर बिग बी कहते हुए नजर आते है कि जिंदगी हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना पड़ेगा। फैंस को प्रोमो काफी पसंद आ रहा है। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का शो कौन बनेगा करोड़पति भारत के सबसे पॉपुलर टीवी क्वीज गेम शो में से एक है। साल 2000 में इस शो की शुरूआत हुई थी। बता दें कि 26 अप्रैल को रात 9 बजे से केबीसी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। बता दें कि कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन पर दस्तक देगा।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | ये हैं दुनिया की सबसे बुजुर्ग बहनें

# अमेरिका की इन छह बहनों ने विश्वयुद्ध से लेकर कोविड महामारी तक झेला

हर इंसान चाहता है वो या उसके रिश्ते लंबी जिंदगी जिएं, स्वस्थ रहें और साथ रहें। पर हर किसी की ये हसरत कहां पूरी हो पाती है! हालांकि, अमेरिका में रहने वाली 6 बहनों की ये तमन्ना पूरी हो गई। ये 6 बहनें दुनिया की सबसे बुजुर्ग बहनें हैं और अगर इन सभी की उम्र को मिला दिया जाए, तो वो 5 सदियों से भी ज्यादा हो जाता है। इन्होंने जीवन में बहुत बड़ी घटनाएं देखी हैं और उन्हें झेला भी है, जिसमें दूसरा विश्वयुद्ध और कोविड महामारी भी शामिल है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने हाल ही में अमेरिका की 6 बहनों को खिताब से नवाजा है। इन बहनों ने मिलकर अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। ये 6 बहनें अमेरिका के मिसूरी की रहने वाली हैं। इन 6 जीवित बहनों की संयुक्त उम्र दुनिया में सबसे अधिक है और यही इनका वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। इन बहनों की उम्र 88 साल से लेकर 101 साल तक है। इनकी कुल उम्र 571 साल और 293 दिन है।

सबसे बड़ी बहन नॉर्मा ओहियो में रहती है, जबकि बाकी 5 बहनें, लॉरेन, मैक्सिन, डॉरिस, मार्गरेट और एलमा अभी भी मिसूरी में रहती हैं। पिछले 9 दशकों में इन बहनों ने ग्रेट डिप्रेशन देखा,

दूसरा विश्वयुद्ध देखा और कोविड महामारी को भी झेला है। बहनों में से एक एलमा ने कहा कि छोटे-मोटे झगड़ों को छोड़ दिया जाए, तो इन बहनों के बीच कभी भी मनमुटाव नहीं रहा। ये अपनी जिंदगीभर एक दूसरे के काफी नजदीक रही हैं। इन्होंने अक्सर साथ में यात्राएं की हैं, जिसमें ऐसी शर्ट्स पहनी हैं, जिसमें अंक लिखे रहते थे जो उनकी उम्र का संकेत करते थे।

जब वो छोटी थीं, तो उनकी मां जुलाई में उन्हें पिकनिक पर ले जाती थीं क्योंकि उनमें से 3 बहनों का जन्म जुलाई में होता है। आज भी बहनों ने इस ट्रेडिशन को कायम रखा है और वो गर्मियों में मिलती हैं। इन 6 बहनों का सिर्फ 1 भाई है, जिनका नाम स्टैंली है। स्टैंली सबसे बड़े थे और अगर वो इस साल जीवित होते तो वो 102 साल के होते मगर जब वो 81 साल के थे, तब साइकिल चलाते वक्त उनका एक्सिडेंट हो गया, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई।

# हाइवे पर हरे रंग के क्यों होते हैं ज्यादातर साइन बोर्ड? जानें क्या है वजह

अगर आपने कभी किसी हाइवे पर यात्रा की होगी, तो एक बात को जरूर गौर किया होगा। हाइवे पर रोड के किनारे, या फिर रोड के ऊपर लगे साइन बोर्ड्स का रंग हरा होता है। उसके ऊपर सफेद रंग से जानकारियां लिखी होती हैं। ये जानकारियां या तो रोड सेफ्टी से जुड़ी होती हैं, या फिर किसी शहर की दूरी के बारे में होती है। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर हाइवे के साइन बोर्ड ज्यादातर हरे रंग के ही क्यों होते हैं? वैसे भारत में ही आपको कई जगह पर नीले रंग के भी साइन बोर्ड नजर आ जाएंगे। अमेरिका हो या भारत, हरे साइन बोर्ड्स का रोड पर दिखना आम बात है। साइन बोर्ड्स का काम काफी अहम होता है। इसपर आगे आने वाले शहरों की दूरी मेंशन की जाती है। पर सिर्फ हरा रंग ही क्यों चुना जाता है? अगर ये ट्रैफिक लाइट्स से जोड़कर देखा जाता है तो पीला या लाल क्यों नहीं चुनते? डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर @zachdfilmsx यूजर ने बताया कि क्यों रोड पर साइन बोर्ड हरे रंग के होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूजर ने जो वीडियो पोस्ट किया, उसमें अमेरिका के साइन बोर्ड्स को दिखाया और कहा कि गलत रास्ता या स्टॉप जैसे साइन की ओर चालक का ध्यान तुरंत आकर्षित करना पड़ता है, इस वजह से ये साइन लाल रंग के बोर्ड पर बने होते हैं। अगर यही साइन बोर्ड हाइवे पर होंगे, तो वो काफी डिस्टर्बिंग होंगे और यात्रियों का ध्यान रास्ते से भटका देंगे। हाइवे पर जो बोर्ड होते हैं, उनका काम आगे आने वाले शहरों की दूरी और नाम बताना होता है। इस वजह से हरे साइन बोर्ड का प्रयोग किया जाता है जो शांतिदायक रंग होता है और ये ध्यान नहीं भटकाता। टेस्टबुक वेबसाइट के अनुसार भारत में जो डेस्टिनेशन साइन बोर्ड होते हैं, वो हरे रंग के होते हैं और उन्हें हाइवे पर विशेष रूप से लगाया जाता है। ऑलो इवोल्यूशन वेबसाइट के मुताबिक अमेरिका के एरिजोना डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन ने साइन बोर्ड्स पर रिसर्च की और पाया कि हरा रंग न ही किसी को उदासीन करता है न ही किसी तरह से ध्यान भटकाता है। हरा रंग आसपास के माहौल के साथ आसानी से घुल-मिल जाता है।

# डीडीसीडी भंग करने को लेकर आप व एलजी आमने-सामने

## » सीएम के अधीन आता है दिल्ली संवाद एवं विकास आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली संवाद एवं विकास आयोग (डीडीसीडी) को भंग कर इसके तीनों गैर आधिकारिक सदस्यों को हटाने के आदेश पर कड़ी आपत्ति जताई है। सरकार का कहना है कि एलजी का यह निर्णय अवैध, असांविधानिक और उनके कार्यालय के अधिकार क्षेत्र का खुला उल्लंघन है। डीडीसीडी दिल्ली के मुख्यमंत्री के अधीन आता है और इसके सदस्यों पर कार्रवाई करने का अधिकार केवल सीएम के पास है। डीडीसीडी को भंग करने के पीछे एलजी का एकमात्र उद्देश्य दिल्ली सरकार के सभी कार्यों को रोकना है। सरकार एलजी के इस गैरकानूनी आदेश को कोर्ट में चुनौती देगी।डीडीसीडी का गठन 29 अप्रैल 2016 को गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से किया गया था और इसे दिल्ली के तत्कालीन उपराज्यपाल ने अपनी मंजूरी भी दी थी। एलजी वीके सक्सेना ने मौजूदा नियम-कानूनों का उल्लंघन करने के साथ-साथ तत्कालीन उपराज्यपाल के फैसले की भी खुलेआम अवहेलना की है।

### उपराज्यपाल ने राजनीति से प्रेरित कार्रवाई की : भारद्वाज

दिल्ली संवाद एवं विकास आयोग (डीडीसीडी) पर हुई उपराज्यपाल की कार्रवाई को आम आदमी पार्टी ने राजनीति बताया है। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि केंद्र और राज्य सरकारों के सभी आयोगों, समितियों और बोर्डों में अवसर बिना किसी औपचारिक परीक्षा या साक्षात्कार के जरिये राजनीतिक नियुक्तियां होती हैं। इसमें भाजपा शासित राज्य भी शामिल हैं। यह एक लंबे समय से चली आ रही प्रथा है। महिला आयोग, एससी/एसटी आयोग और अल्पसंख्यक आयोग सहित विभिन्न पब्लिक कमीशन इसी प्रथा के उदाहरण हैं। हाल ही में 9 मार्च को भाजपा नेता किशोर मकवाना को अनुसूचित जाति आयोग का प्रमुख नियुक्त किया गया है। किशोर मकवाना गुजरात भाजपा के प्रवक्ता भी हैं।

### गठन का मकसद खो चुका था डीडीसीडी : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा दिल्ली डायलॉग डेवलपमेंट कमीशन को अस्थायी रूप से भंग किए जाने का स्वागत किया है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विकास कार्य वाले इस संस्थान को राजनीतिक साथियों के आर्थिक उत्थान के लिए दुरुपयोग किया। एक अच्छे उद्देश्यों के लिए बना यह आयोग शुरू से ही विवादों में रहा है। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाने के उद्देश्य से इस आयोग को बनाया। विशेषज्ञों की नियुक्ति की जानी थी पर कार्यकर्ताओं को ही इसमें शामिल कर लिया गया। पहले अध्यक्ष आशीष खेतान की तरह ही दूसरे अध्यक्ष जैस्मीन शाह भी विवादों में घिर गए। विशेषज्ञों के नाम पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने का खेल किया गया और इसी के उदाहरण खेतान और शाह है।

### केजरीवाल झुकेगा नहीं, जितना मर्जी अत्याचार कर लो : मान

केजरीवाल की सीबीआई गिरफ्तारी पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भड़क गए और उन्होंने एक्स (ट्वीटर) पर एक पोस्ट करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सीएम मान ने केजरीवाल की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि ये तस्वीर तानाशाही के खिलाफ संघर्ष की है। अरविंद केजरीवाल झुकेगा नहीं, जितना मर्जी अत्याचार कर लो। ईडी कोर्ट से जमानत मिलने के बाद सीबीआइ ने उनको गिरफ्तार किया है। उनकी ये गिरफ्तारी भापजा के इशारे पर सीबीआई का खुला दुरुपयोग है। उन्होंने यह भी लिखा कि आप जिस तरह से आदाबे सियासत भूले, आपका नाम भी जालिम में लिखा जाएगा।

# नीट को समाप्त कर पुरानी व्यवस्था लागू करें : ममता

## » सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नीट के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता बनर्जी ने नीट को समाप्त करने की मांग की है। बंगाल सीएम ने लिखा है कि नीट को समाप्त कर पुरानी व्यवस्था लागू की जाए। उल्लेखनीय है कि पुरानी व्यवस्था के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा नीट परीक्षा का आयोजन कराया जाता था। पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक होने, परीक्षा कराने वाले अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेने, छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने आदि के गंभीर आरोप लग रहे हैं। इन आरोपों पर तुरंत ध्यान देने और पूरी निष्पक्षता से जांच कराने की जरूरत है।

इन घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ऐसी घटनाएं न सिर्फ देश में मेडिकल परीक्षा की गुणवत्ता से समझौता हैं बल्कि इसका देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। ममता बनर्जी ने मांग की कि नीट की पुरानी व्यवस्था लागू की जाए, जिसके तहत राज्य सरकार परीक्षा कराएं। उन्होंने लिखा कि साल 2017 से पहले राज्यों को मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए अपनी प्रवेश परीक्षाएं कराने की मंजूरी थी और केंद्र सरकार भी प्रवेश परीक्षा कराती थी। यह व्यवस्था आराम से काम कर रही थी और इसमें ज्यादा परेशानी भी नहीं थी। राज्य सरकार आमतौर पर हर डॉक्टर पर करीब 50 लाख रुपये खर्च करती है, ऐसे में राज्य सरकार को ही मेडिकल छात्रों को चुनने की आजादी मिलनी चाहिए।

# जयराम का विचार पार्टी का विचार नहीं : पित्रोदा

## » कांग्रेस नेता के आश्वासन वाले बयान पर पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हाल ही में सैम पित्रोदा को एक बार फिर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का प्रमुख नियुक्त किया। उनके पद संभालते ही पार्टी के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा था कि पित्रोदा ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में वह विवाद के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, इस बारे में पूछे जाने पर पित्रोदा ने तीखे लहजे में कहा कि यह कांग्रेस का विचार नहीं है, बल्कि रमेश का दृष्टिकोण है। उन्होंने एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में कहा, कांग्रेस ऐसा नहीं कह रही है।

जयराम ऐसा कह रहे हैं। जयराम जो कहते हैं वह उनका विचार है, जरूरी नहीं कि यह पार्टी का विचार हो। जयराम का यह कहना ठीक है और मैं इसका सम्मान करता हूं। मुझे जो करना है वह करना है। इस प्रक्रिया में मुझे गलतियां करने का अधिकार है। गौरतलब है, पित्रोदा ने लोकसभा चुनाव के दौरान आठ मई को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, उन्होंने अपने एक बयान में भारतीयों को लेकर नस्लीय टिप्पणी की थी। कहा था कि पूर्व के लोग चीनी और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी नागरिकों जैसे दिखते हैं।

# आडवाणी को मिली अस्पताल से छुट्टी

## » नियमित फॉलोअप जांच कराने की सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को एम्स नई दिल्ली से छुट्टी मिल गई है। एम्स के प्राइवेट वार्ड से आडवाणी अपने सरकारी आवास के लिए रवाना हो गए हैं। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी है। 96 वर्षीय आडवाणी को बुधवार देर रात दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया।

उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वह 2014 के बाद से ही सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

# राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करेंगे दुष्यंत चौटाला

## » रखी शर्त- ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को उच्च सदन के लिए उम्मीदवार बनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले, जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला ने कांग्रेस के साथ अपनी निकटता का संकेत दिया है। भाजपा के पूर्व सहयोगी चौटाला ने कहा कि उनकी पार्टी राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार है। लेकिन, उन्होंने समर्थन के लिए एक शर्त रखी। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस राज्य के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति, या राष्ट्रमंडल या ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को उच्च सदन के लिए उम्मीदवार बनाती है, तो हमारी पार्टी (कांग्रेस-जेजेपी) संयुक्त उम्मीदवार के रूप में समर्थन करेगी।

सत्तारूढ़ भाजपा के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करके राजग में लौटने की किसी भी संभावना पर उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के साथ जाने से उनकी पार्टी को पहले ही बहुत नुकसान हुआ है, इसलिए किसी भी तरह के समझौते का कोई सवाल ही नहीं है।

# अंग्रेजों को मात देकर भारत पहुंचा फाइनल में

## » टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 68 रनों से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुयाना। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया। गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। इसके अलावा भारतीय टीम ने साल 2022 एडिलेड का बदला भी इंग्लैंड से ले लिया है। इस दौरान भारत ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में 103 रनों पर ही ऑलआउट हो गई।

### अफ्रीका से कल होगा खिताबी मुकाबला

इस दौरान रोहित शर्मा ने 57 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। वहीं अक्षर पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड के खिलाफ टॉस गंवाकर भारत ने पहले बल्लेबाजी की। भारती पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली महज 9 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें टॉप्ली ने तीसरे ओवर में बोल्ड कर दिया। विकेटकीपर ऋषभ पंत (4) भी सस्ते में आउट हो बैठे। इसके बाद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव (36 गेंदों में 47 रन) ने पारी को आगे बढ़ाया। इंग्लैंड इस वर्ल्ड कप में मौजूदा विजेता के तौर पर उतरा था। इस टीम की कोशिश लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 वर्ल्ड कप जीतने की थी लेकिन रोहित की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने ऐसा होने नहीं दिया। इंग्लैंड को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसका एक बार फिर विश्व विजेता बनने का सपना टूट गया।

### कुलदीप-अक्षर ने झटके 3-3 विकेट

अक्षर ने चार ओवरों में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। कुलदीप ने भी चार ओवरों में तीन विकेट लिए लेकिन उन्होंने अक्षर से कम रन दिए। कुलदीप ने 19 रन ही खर्च किए। अक्षर पटेल ने इंग्लैंड के तीन बड़े बल्लेबाजों को आउट किया। ये तीनों काफी तूफानी बल्लेबाज हैं। इनके आउट होने से इंग्लैंड की टीम दबाव में आ गई और फिर बिखर गई। अक्षर ने इस मैच में बल्ले से भी योगदान दिया। उन्होंने छह गेंदों पर 10 रन बनाए जबकि कुलदीप की बैटिंग की नहीं आई।

# नीट मामले पर संसद में सरकार पर विपक्ष का वार

## कांग्रेस ने उठाया मामला, सत्ता पक्ष धन्यवाद प्रस्ताव के चर्चा पर अड़ा, भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

### » एनडीए के सहयोगी व पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने भी नीट का मुद्दा उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद आज लोकसभा और राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया और इस पर संसद में चर्चा होनी थी,पर इस चर्चा के बीच आज दोनों सदनों में नीट मामले को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। चर्चा के दौरान विपक्ष नीट परीक्षा मामले में हुई गड़बड़ी का मुद्दा उठा रहा है और इस पर बहस की मांग करता रहा।

उधर लोकसभा में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों की 'नीट-यूजी' परीक्षा में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामे के कारण सदन की बैठक शुक्रवार को एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी थी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट मामला उठाया और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर इस मामले पर चर्चा की मांग की। स्पीकर ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पहले की जाए। कार्यवाही शुरू होते ही नेता विपक्ष राहुल गांधी ने माइक शुरू करने की मांग की। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि माइक का बटन उनके पास नहीं है। वहीं भाजपा ने चर्चा की शुरुआत की तो एनडीए के सहयोगी और पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने ही नीट का मुद्दा उठा दिया।

### अनुराग ठाकुर ने रखा धन्यवाद प्रस्ताव

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में सरकार की ओर से हमीरपुर सांसद अनुराग ठाकुर प्रस्ताव रखेंगे। वहीं, दिल्ली की संसद बांसुरी स्वराज धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात रखेंगी। दूसरी ओर राज्यसभा में यूपी से भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी चर्चा की शुरुआत करेंगे। नीट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों के विरोध और नारेबाजी के बीच, भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू की।

### विपक्ष और सरकार की ओर से छात्रों को एक संयुक्त संदेश दिया जाए : राहुल गांधी

राहुल ने कहा कि हम विपक्ष और सरकार की ओर से भारत के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं। इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों के सम्मान के लिए हम आज नीट पर चर्चा करेंगे। राहुल ने कहा कि यहां दो शक्तियां है एक जो चर्चा चाहती एक जो नहीं। मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि ये युवाओं का विषय है और इस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए और ये सम्मानजनक चर्चा होनी चाहिए। संसद से ये संदेश जाना चाहिए कि भारत सरकार और विपक्ष मिलकर छात्रों की बात कर रहा है।

### देश में लाखों छात्र परेशान हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा कि देश में लाखों छात्र परेशान है। पिछले 7 साल में 70 बार पेपर लीक हो चुका है। वहीं सभापति ने खरगे को नियम 267 के तहत नीट पेपर लीक मामले पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने नीट-यूजी और यूजीसी नेट सहित परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों और एनटीए की विफलता पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया था।

### कई सांसदों ने दिए नोटिस

कांग्रेस के कई सांसदों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ''नाकामी'' के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए आज संसद के दोनों सदन में नोटिस दिए।

### धनखड़ ने सांसद राम गोपाल यादव को जन्मदिन की बधाई दी

राज्यसभा की कार्रवाई के पहले दिन सभापति धनखड़ अपने चिरपरिचित मूड में नजर आए। समाजवादी पार्टी से सांसद राम गोपाल यादव को जन्मदिन की उन्होंने एक दिन पहले ही बधाई दे दी।

फोटो: 4पीएम

**रोष** लखनऊ के इंद्रानगर सेक्टर ए में काफी लम्बे समय से गन्दा पानी लोगों के घरों में आ रहा है जिसकी शिकायत वहां के स्थानीय लोगों ने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव से की। शिकायतकर्ताओं की अपील पर अपर नगर आयुक्त ने उक्त समस्या का निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया।

# पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से शुक्रवार (28 जून) को बड़ी राहत मिली। झारखंड हाई कोर्ट ने उन्हें जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने जमानत याचिका पर तीन दिनों तक बहस और सुनवाई पूरी करने के बाद 13 जून को फैसला सुरक्षित रख लिया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। इस समय सोरेन रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में बंद हैं।

**8.86**

**एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा करने का लगा है आरोप**

ईडी का कहना है कि बरियातू की 8.86 एकड़ जमीन पर हेमंत सोरेन का अवैध कब्जा है। इस जमीन के कागजात में भले हेमंत सोरेन का नाम दर्ज नहीं है, लेकिन जमीन पर अवैध कब्जा पीएमएलए के तहत अपराध है। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की ओर से दलीलें पेश करते हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा था कि जमीन छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट के तहत भुईंहरी नेचर की है और इसे किसी भी स्थिति में किसी व्यक्ति को बेचा या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। इस जमीन की लीज राजकुमार पाहन के नाम पर है। इससे हेमंत सोरेन का कोई संबंध नहीं है।

### विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को मिली खुशी

हेमंत सोरेन ने ईडी की हिरासत में ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और इसकी कमान करीबी चंपई सोरेन को सौंप दी थी। इसके बाद से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन पार्टी का कामकाज देख रही हैं। अब झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले हेमंत सोरेन को जमानत मिलना पार्टी के लिए बड़ी राहत है।

# एक हफ्ते में पूरे प्रदेश में छाएगा मानसून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में मानसून एक्सप्रेस लगातार आगे बढ़ रही है। प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम के साथ सुहाने हुए मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। दिन और रात के तापमान में गिरावट हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले चार- पांच दिनों में मानसून के पूरे प्रदेश में छा जाने के आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार व शुक्रवार की सुबह आगरा, अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन, मुरादाबाद में 70 मिमी से अधिक पानी बरसा। अयोध्या, बहराइच, बलिया, बुलंदशहर, फतेहपुर, फुरसतगंज, हमीरपुर में 50 से 60 मिमी के बीच बरसात रिकार्ड की गई। गाजीपुर में 100 मिमी बरसात रिकॉर्ड की गई थी। आगरा, अलीगढ़, शाहजहांपुर में भी अच्छी बरसात रिकार्ड हुई। मानसून की अरब सागर की शाखा अधिक सक्रिय है। इसके कारण मानसून बुंदेलखंड के ज्यादातर हिस्से को कवर करते हुए आगे बढ़ा है।

# खड़े ट्रक से टकराई वैन,13 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के हावेरी जिले के ब्यादगी तालुक में शुक्रवार तडक़े एक वैन खड़े ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित शिवमोगा के रहने वाले थे और देवी यल्लम्मा के दर्शन के लिए तीर्थयात्रा के बाद बेलगावी जिले के सवादट्टी से लौट रहे थे।

पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि बस के चालक को नींद आ गई थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह ब्यादगी तालुक के गुंडेनहल्ली क्रॉस पर वैन और लॉरी के बीच टक्कर होने से 13 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान चार अन्य घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब 3.45 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, वैन ने सडक़ के किनारे खड़ी लॉरी को टक्कर मार दी। लॉरी हावेरी जिले के ब्यादगी में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के किनारे खड़ी थी। वैन में कुल 17 लोग सवार थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनमें से 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। चार घायलों में से दो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं।

### मायाम्मा देवस्थान से लौट रहे थे यात्री

हावेरी के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार श्रीवास्तव ने पीटीआई को बताया कि पीड़ित चिंचोली मायाम्मा देवस्थान से शिवमोग्गा जिले में अपने पैतृक गांव येमेहट्टी जा रहे थे। ट्रक हाईवे के किनारे खड़ा था। टेम्पो ट्रैवलर ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। शवों को शवगृह में रखवा दिया गया है। घायलों को हावेरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।